Regarding need to establish a `Bharatiya Rashtriya Gramin Bank`-Laid

श्री जगदम्बिका पाल **(**डुमरियागंज**) :** देश में RRBs Act,1976 के तहत स्थापित RRB की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ । तब से लेकर आज तक ग्रामीण बैंक देश के 26 राज्यों तथा 3 केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी 22,000 से अधिक शाखाओं के माध्यम से लगभग 40 करोड़ आम जनता की आर्थिक जरूरतों को पूरा कर रहे हैं । ग्रामीण बैंकों का वर्तमान में आरक्षित लाभ लगभग 40,000/- करोड़ रुपए है तथा 50,000 करोड़ रूपये net worth हैं । ग्रामीण बैंकों के स्वामित्व का विभाजन इस प्रकार है- भारत सरकार- 50%, संबन्धित राज्य सरकार- 15%, sponsor bank- 35% । आज देश मे 12 स्पान्सर बैंक हैं जो कि देश के 43 ग्रामीण बैंक को प्रायोजन करने का काम करते हैं । जो राज्यों मे अलग-अलग संख्या मे हैं-UP- 3, Gujrat- 2, Mizoram- 1 ,Kerala- 1 । हम मांग करते हैं कि 40 करोड़ लोगों की सुविधा के लिय केन्द्रीय स्तर पर ?भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जानी चाहिए जो कि इन सभी बैंक को एक मुख्य अथॉरिटी के रूप मे संचालित करे । जिससे यह अलग-अलग स्पान्सर बैंक के संचालन से बाहर आ सके । इन बैंक मे व्यवसाय वृद्धि के अनुसार भर्ती हेतु निर्धारित नियमों के तहत अविलंब नई भर्ती, प्रमोशन की प्रक्रिया तेज की जानी चाहिये । अस्थायी रूप से सेवा मे 20,000 से अधिक स्टाफ को स्थायी किया जाना चाहिये ।